प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 8 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

मनुष्य जीवन कर्म–प्रधान है। मनुष्य को निष्काम भाव से सफलता–असफलता की चिंता किए बिना अपने कर्तव्य का पालन करना है। आशा या निराशा के चक्र में फँसे बिना उसे निरंतर कर्तव्यरत रहना है। किसी भी कर्तव्य की पूर्णता पर सफलता अथवा असफलता प्राप्त होती है। असफल व्यक्ति निराश हो जाता है किन्तु मनीषियों ने असफलता को भी सफलता की कुंजी कहा है। असफल व्यक्ति अनुभव की संपत्ति अर्जित करता है जो उसके भावी जीवन का निर्माण करती है। जीवन में अनेक बार ऐसा होता है कि हम जिस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए परिश्रम करते हैं वह पूरा नहीं होता। ऐसे अवसर पर सारा परिश्रम व्यथ हो गया–सा लगता है और हम निराश होकर चुपचाप बैठ जाते हैं। उद्देश्य की पूर्ति के लिए दोबारा प्रयत्न नहीं करते। ऐसे व्यक्ति का जीवन धीरे–धीरे बोझ बन जाता है। निराशा का अंधकार न केवल उसकी कर्म–शक्ति, बल्कि उसके समस्त जीवन को ही ढक लेता है। निराशा की गहनता के कारण लोग कभी–कभी आत्महत्या तक कर बैठते हैं। मनुष्य जीवन धारण करके कर्म–पथ से कभी विचलित नहीं होना चाहिए। विघ्न–बाधाओं की सफलता–असफलता की तथा हानि–लाभ की चिंता किए बिना कर्तव्य के मार्ग पर चलते रहने में जो आनंद एवं उत्साह है, उसमें ही जीवन की सार्थकता है।

कर्म पर तुम्हारा अधिकार है, फल पर नहीं। केवल फल के लिए कर्म करने वाले मत बनो और अकर्म के प्रति भी आसक्त मत हो जाओ। श्रीकृष्ण ने गीता के द्वारा यह उपदेश देकर मनुष्य जाति को कर्म करते रहने के लिए प्रेरित किया है। जिसने मन से, लगन से और पूर्ण भावना से किसी कार्य को आरंभ किया, उसे सफलता मिलने में देर नहीं लगती। हर छोटे–से–छोटे कार्य की सफलता के पीछे यही मूल–मंत्र है। कर्म तभी प्रधान होता है और श्रेष्ठ बनता है, जब वह मन के द्वारा संचालित होता है और जब कर्म मन के द्वारा संचालित होने लगता है तब वह विविध प्रकार की सिद्धियों के द्वार खोलने लगता है परन्तु हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि हम जो कर रहे हैं, उसका क्या परिणाम होगा। हमें तो बस अपना कर्म करते जाना है, फल की इच्छा नहीं रखनी चाहिए। अगर हम यह सोचते रहेंगे कि इसका क्या परिणाम निकलेगा, तो हम अपने आपको उन्नत और प्रगतिशील नहीं बना पाएँगे। कर्म को अपनी पूजा की तरह निरंतर करते चलो और उसका क्या परिणाम होना है, यह मत सोचो। व्यक्ति अपने कर्मों से ही महान बनते हैं। कर्म के द्वारा ही मनुष्य की पहचान होती है।

1. मनुष्य के कर्तव्य–पालन में कैसा भाव होना चाहिए? 2

उत्तर : मनुष्य को अपने कर्तव्य–पालन में निष्काम भाव रखना चाहिए। उसे आशा या निराशा के चक्र में नहीं फँसना चाहिए तथा निरंतर कर्तव्यरत रहना चाहिए क्योंकि मनुष्य जीवन कर्म–प्रधान है।

2. कैसे व्यक्ति का जीवन बोझ बन जाता है? 2

उत्तर : जीवन में कोई ऐसे अवसर आते हैं जब हम किसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए परिश्रम करते हैं, लेकिन वह पूरा नहीं होता। ऐसे अवसर पर सारी मेहनत पर पानी फिर गया–सा लगता है और हम निराश होकर बैठ जाते हैं। उद्देश्य की पूर्ति के लिए पुनः प्रयास नहीं करते। ऐसे व्यक्ति का जीवन धीरे–धीरे बोझ बन जाता है।

3. जीवन की सार्थकता किस पर निर्भर करती है? 2

उत्तर : विघ्न–बाधाओं की, सफलता–असफलता की तथा हानि–लाभ की चिंता किए बिना मनुष्य को कर्तव्य मार्ग पर चलते रहने में जो आनंद एवं उत्साह है, उसी में ही जीवन की

सार्थकता निर्भर करती है। यदि हम संशय–रहित होकर अपना कर्तव्य करते रहेंगे तो हमारा जीवन सार्थक माना जाएगा।

4. कर्म पर तुम्हारा अधिकार है, फल पर नहीं। इसमें श्रीकृष्ण ने क्या बताया है? 2

उत्तर : कर्म पर तुम्हारा अधिकार है, फल पर नहीं, इसमें श्रीकृष्ण ने यह बताया है कि हमें केवल फल प्राप्ति के लिए कार्य नहीं करना चाहिए और अकर्म के प्रति आसक्त भी नहीं होना चाहिए। इसमें उन्होंने मनुष्य को कार्य करने के लिए प्रेरित किया है। फल प्राप्ति पर हमारा कोई अधिकार नहीं है। अतः हमें केवल कर्म पर अपना ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

5. परिणाम की इच्छा क्यों नहीं रखनी चाहिए? 1

उत्तर : परिणाम की इच्छा उन्नति और प्रगतिशील होने में रूकावट पैदा करती है, इसलिए उसकी इच्छा नहीं रखनी चाहिए।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए?

उत्तर : कर्म करते रहो, फल की इच्छा मत करो।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. पद किसे कहते हैं? 1

उत्तर : व्याकरण के नियमों से बँधे वाक्य में प्रयुक्त शब्द को पद कहते हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

$1 \times 3 = 3$

1. शरीर से कमजोर व्यक्ति के लिए यह प्रतियोगिता नहीं है। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर : जो व्यक्ति शरीर से कमजोर है, उसके लिए यह प्रतियोगिता नहीं है।

2. बालक रो–रोकर चुप हो गया। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर : बालक रोता रहा और फिर चुप हो गया।

3. ज्यों ही वह पहुँचा, वर्षा होने लगी (सरल वाक्य में)

उत्तर : उसके पहुँचते ही वर्षा होने लगी।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$

जलधारा, पंचानन

उत्तर : जलधारा– जल की धारा (तत्पुरूष समास)
पंचानन– पाँच हैं आनन जिसके अर्थात् शिव (बहुब्रीहि समास)

2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$

भूख से मरा हुआ, रात ही रात में

उत्तर : भूख से मरा हुआ– भुखमरा (तत्पुरूष समास)
रात ही रात में– रातोंरात (अव्ययीभाव समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. हमें परिश्रम पूर्ण पढ़ना चाहिए।

उत्तर : हमें परिश्रम से पढ़ना चाहिए।

2. हमको, तुमको और श्याम को अवश्य जाना है।

उत्तर : मैं, तुम और श्याम आएँगे।

3. राम, लक्ष्मण और सीता वन को गई।

उत्तर : राम, लक्ष्मण और सीता वन को गए।

4. बगीचे की फूलें सुगंधित है।

उत्तर : बगीचे में सुगंधित फूल हैं।

6. उचित मुहावरों से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

$1 \times 4 = 4$

1. हमारी सेना ने दुश्मनों का ..... दिया।

उत्तर : मुँह तोड़ जवाब (मुँह तोड़ जवाब देना)।

2. मिठाई देखकर उसके मुँह में .....।

उत्तर : पानी आ गया (मुँह में पानी आना)।

3. परीक्षा में प्रथम आने के लिए दीक्षा ने आकाश ..... दिया।

उत्तर : पाताल एक कर (आकाश–पाताल एक करना)।

4. राजेश से पत्र लिखवाने की कह रहे हो, उसके लिए तो काला ..... है।

उत्तर : अक्षर भैंस बराबर (काला अक्षर भैंस बराबर)।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. **गिन्नी का सोना** प्रसंग के आधार पर लिखिए की आदर्शवादी लोगों ने समाज के लिए क्या किया है?

उत्तर : आदर्शवादी लोगों ने समाज को शाश्वत मूल्य प्रदान किए हैं। ऐसे लोग शुद्ध सोने के समान होते हैं जिसमें कोई मिलावट नहीं होती। ये लोग अपने जीवन में आदर्श और मूल्यों को अपनाते हैं और समाज के लिए प्रेरणा का कार्य करते हैं। समाज आदर्शवादी लोगो का ऋणी है।

2. प्रकृति में असंतुलन का क्या परिणाम हुआ? अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले, पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर : प्रकृति में आए असंतुलन का यह परिणाम हुआ कि समंदर पीछे सरकना शुरू हो गया। पेड़ कटने शुरू हो गए। पक्षियों ने बस्तियों से भागना शुरू कर दिया। ज्यादा गर्मी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाव, तूफान और नित नए रोग होने शुरू हो गए। प्रदूषण का खतरा भी बढ़ने लगा है।

3. **कारतूस** पाठ में कौन वर्षों से किसका पीछा कर रही है? उसका उद्देश्य क्या है?

उत्तर : अंग्रेज वर्षों से वजीर अली का पीछा कर रहे थे क्योंकि वह एक निर्भीक सिपाही और अंग्रेजों का कट्टर दुश्मन था। उसने कई बार अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह भी किये थे।

4. कैसे लोगों को गिरगिट की संज्ञा दी जाती है?

उत्तर : इस कहानी में लेखक ने मुख्य रूप से यह दर्शाना चाहा है कि जिस प्रकार गिरगिट शत्रु से स्वयं को बचाने के लिए अपने आसपास के परिवेश के अनुसार रंग बदल लेता है। उसी प्रकार कई व्यक्ति भी अपने स्वार्थ के लिए परिस्थितियों के अनुसार अपनी बात, व्यवहार, दृष्टिकोण, विचार को बदल लेते हैं। ऐसे लोगों को गिरगिट की संज्ञा दी जाती है।

8. जुलूस के लाल बाजार आने पर लोगों की क्या दशा हुई? उसका लाभ क्रांतिकारियों को किस प्रकार मिला? 80–100 शब्दों में बताइये। 5

उत्तर : जुलूस के लाल बाजार आने पर अनेक स्त्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया। वृजलाल गोयनका को भी एक अंग्रेज घुड़सवार ने लाठी मारी, फिर पकड़कर दूर ले जाकर छोड़ दिया। वह स्त्रियों के जुलूस में शामिल हो गया। फिर वह दो सौ आदमियों का जुलूस बनाकर लालबाजार गया। वहाँ उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मदालसा को भी पकड़ लिया गया। उसको थाने में ले जाकर मारा भी गया। कुल मिलाकर 105 स्त्रियाँ पकड़ी गईं। बाद में रात को नौ बजे सबको छोड़ दिया गया। कलकत्ता में इतनी स्त्रियों को एक साथ कभी गिरफ्तार नहीं किया गया। काफी लोग घायल हुए। इन यातनापूर्ण घटनाओं के बावजूद क्रांतिकारियों में बहुत उत्साह था क्योंकि वे अपने उद्देश्य में सफल हो गए थे। लोगों में स्वतंत्रता प्राप्ति की भावना बलवती होती जा रही थी।

अथवा

बड़े भाई की स्वभावगत विशेषताओं का उल्लेख 80–100 शब्दों में कीजिए।

उत्तर : बड़े भाई अध्ययनशील हैं। वे हर समय किताबों में खोए रहते हैं। बड़े भाई परिश्रमी हैं। वे परिश्रम को सफलता की कुंजी मानते हैं। वे अनुशासनप्रिय हैं। वे व्यर्थ ही समय बर्बाद नहीं करते। वे सिद्धान्तवादी हैं और जीवन में मुख्य सिद्धान्तों को महत्व देते हैं। वे आत्मनियंत्रण करना जानते हैं तथा स्वयं को नियंत्रण में रखकर छोटे भाई के लिए आदर्शवादी बनने में यकीन करते हैं। वे समझते हैं कि उनके द्वारा किए गए प्रत्येक कार्य का असर उनके छोटे भाई पर पड़ेगा। वे एक अच्छे उपदेशक हैं। वे जानते हैं कि छोटे भाई को कैसे समझाया जा सकता हैं इस प्रकार हम कह सकते हैं कि बड़े भाई में अनेक गुण विद्यमान हैं। वे बड़े भाई की पदवी प्राप्त करने के सभी गुण रखते हैं।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. आपस में शत्रुता का भाव रखने वाले जीव भी जंगल में एक ही स्थान पर विश्राम क्यों करते हैं? बिहारीकृत दोहे के आधार पर बताइए।

उत्तर : ग्रीष्म ऋतु की प्रचंड गर्मी है। जंगल के सभी जानवर गर्मी के कारण बेहाल हैं। हालाँकि वे आपस में शत्रुता रखते हैं परन्तु आपसी शत्रुता भूलकर गर्मी की भीषणता से बचने के लिए वे एक ही स्थान पर विश्राम कर रहे हैं।

2. कवि गुप्त जी ने भाग्यहीन किन्हें बताया है और क्यों? **मनुष्यता** कविता के संदर्भ में उत्तर दें।

उत्तर : कवि मैथिलीशरण गुप्त ने उन लोगों को भाग्यहीन कहा है जिनका मन अधीर है। जो यह जानते हुए भी बेचैन रहते हैं कि ईश्वर हमारे साथ हैं, वे सचमुच भाग्यहीन हैं। भाग्यहीन तो केवल वही हो सकते हैं जिसका कोई सहारा या अवलम्ब न हो।

3. वर्षा के समय शाल के वृक्ष भयभीत होकर धरती में क्यों धँस गए दिखते हैं?

उत्तर : जब धरती पर आकाश टूट पड़ा तब चारों ओर धुंध छा गई। उस धुंधमय वातावरण में सब कुछ अदृश्य हो गया। ऐसे वातावरण में शाल के वृक्ष भी अदृश्य हो गए और ऐसा प्रतीत होने लगा मानो वे धरती में धँस गए हों।

4. विरासत में मिली चीजों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : विरासत में मिली चीजों की सँभाल इसलिए की जाती है क्योंकि वे हमारे पूर्वजों व बीते समय की देन होती हैं। उन चीजों से हमें प्राचीन इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है। ये हमारे पूर्वजों की धरोहर है और इनकी रक्षा का भार हम पर होता है। धरोहर हमें हमारी संस्कृति व इतिहास से जोड़ती है। ये हमें हमारे पूर्वजों, परंपराओं, उपलब्धियों आदि से परिचय कराती है। इन्हीं के माध्यम से हम अपनी पुरानी पीढ़ियों से जुड़े रहते हैं। हम उन्हें इसलिए भी सँभालकर रखते हैं ताकि हमारे बच्चों के भविष्य निर्माण का आधार मजबूत बन सके।

10. कर चले हम फिदा, गीत का केन्द्रीय भाव क्या है? 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर : प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि देश की रक्षा करना हमारा सबसे बड़ा धर्म और कर्तव्य है। हमारे मन में अपने देश के लिए यह भावना होनी चाहिए कि देश का मान रखने के लिए यदि हमें अपना सिर भी कटवाना पड़े तो पीछे नहीं हटना चाहिए। किसी भी रावण रूपी शत्रु के कदम देश में नहीं पड़ने चाहिए। हममें इतना आत्मबल होना चाहिए कि दुश्मन की चाल का मुँहतोड़ जवाब दे सकें। देश की पवित्रता की ओर उठने वाले हाथ को तोड़ देना चाहिए। यह देश हमारा है हम सभी को मिलकर इसकी रक्षा करनी चाहिए।

अथवा

आत्मत्राण कविता के आधार पर 80–100 शब्दों में बताइए कि मनुष्य को ईश्वर के साथ–साथ किस पर विश्वास करना चाहिए और क्यों?

उत्तर : आत्मत्राण कविता में मनुष्य को ईश्वर के साथ–साथ अपने पौरूष बल, आत्मशक्ति और सभी प्रकार के भय से छुटकारा देने वाले मनोबल पर विश्वास करना चाहिए। इसका

कारण यह है कि विपदाएँ प्रत्येक मनुष्य के जीवन में आती हैं, उनसे कोई बचा नहीं है परन्तु जिसके पास इन विपदाओं का सामना करने का पुरूषार्थ है वही दुख को भी जय करने की स्थिति में होता है। जिस व्यक्ति के भीतर आत्मबल है वही जीवन–संग्राम में विजयी बनकर उभर सकता है। मनोबल से युक्त मनुष्य ही दुख के दिनों में अपने आत्मविश्वास को बनाए रख सकता है। सामर्थ्यवान और साहसी मनुष्य वह है जो बड़ी–से–बड़ी हानि को भी ईश्वर के अस्तित्व पर संशय किए बिना सहन कर सके। इसलिए मनुष्य को परम सत्ता पर विश्वास रखने के साथ–साथ आत्मिक शक्ति एवं पौरूष बल पर भी भरोसा रखना चाहिए।

11.

1. हेडमास्टर साहब ने पी.टी. साहब को क्यों मुअत्तल कर दिया? 60–70 शब्दों में बताइये। 3

   उत्तर : पी.टी. मास्टर प्रीतमचंद चौथी श्रेणी के लड़कों को फारसी पढ़ाते थे। एक दिन उन्होंने विद्यार्थियों को एक शब्द रूप याद करने को कहा परन्तु केवल दो तीन ही लड़के थे जिन्हें आधा या कुछ अधिक याद हो पाया। दूसरे दिन जब उन्होंने सुनना शुरू किया तब एक भी लड़का नहीं सुना पाया। इस पर मास्टर जी को गुस्सा आ गया। उन्होंने सभी लड़कों को मुर्गा बना दिया। इस सजा के कारण कई लड़के गिर पड़े। तभी हेडमास्टर शर्मा जी अचानक वहाँ आ गए। यह दृश्य वे सहन नहीं कर पाए। मात्र चौथी कक्षा के छात्रों को इस प्रकार की सजा देना और उनके लिए असहनीय था। इसी कारण हेडमास्टर ने प्रीतमचंद को मुअत्तल कर दिया।

2. यदि आपके आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो आप किस प्रकार मदद करेंगे। 60–70 शब्दों में बताइये। 3

   उत्तर : यदि हमारे आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई होगा, तब हम उसकी यथासंभव सहायता करेंगे। हम उसके रहने तथा खाने–पीने की उचित व्यवस्था करेंगे। उसकी तबीयत के बारे में पूछताछ करेंगे और आवश्यकतानुसार चिकित्सकीय सहायता पहुँचाने का प्रयास करेंगे। हम उससे बातचीत करेंगे, जिससे वह अपने आपको अकेला महसूस न करे। हम उसे अपने घर में होने वाले कार्यक्रमों में सम्मिलित करेंगे। उसे इस बात का अहसास करवाएँगे कि हम उसके अपने हैं।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **आज की युवा पीढ़ी**

   ✻ भौतिकता की ओर आकर्षण ✻ भारतीय संस्कृति के प्रति घटती आस्था ✻ कुछ कर गुजरने की हिम्मत।

2. **मानव की सुरक्षा : प्रकृति की रक्षा**

   ✻ मानव–प्रकृति पुरातन संबंध ✻ प्रकृति का संरक्षण ✻ दोनों का संतुलन।

3. **इंटरनेट का जीवन में उपयोग**

   ✻ इंटरनेट क्या है? ✻ लाभ–समय की बचत, शिक्षा में सहायक ✻ उपयोग के सुझाव।

उत्तर :

1. आज की युवा पीढ़ी।

आज की युवा पीढ़ी अपने भविष्य के सुनहरे सपने देखती है और उसे पूरा करने का अथक प्रयास भी करती है। वह भौतिकता की अंधी दौड़ में पश्चिमी संस्कृति के अनुकरण पर उतारू है और इस क्रम में भारतीय संस्कृति से दूर होती चली जा रही है। उसके अंदर महत्वाकांक्षा के पर लगे हुए हैं इसलिए उसे तेज गति से उड़ने का शौक है। यह पीढ़ी आरंभ में ही अपने लक्ष्य का निर्धारण कर लेती है। अपने निर्धारित लक्ष्य के प्रति वह पूरी तरह समर्पित है। इसका प्रमाण है विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं द्वारा हासिल की गई उपलब्धियाँ। आज का युवा अंतरिक्ष विज्ञान, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर, सॉफ्टवेयर, सूचना तकनीक, चिकित्सा विज्ञान, शोधकार्य, विपणन अर्थात् मार्केटिंग, खाद्य प्रसंस्करण इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के नए–नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। उसकी सफलता में सरकार की नीतियों तथा वैश्विक व्यवस्था का भी योगदान हैं इस प्रकार अठारहवीं शताब्दी का बूढ़ा भारत इक्कीसवीं शताब्दी में एक बार पुनः कुछ कर गुजरने की हिम्मत के साथ जवानी के जोश से ओतप्रोत होकर हुंकार भर रहा है।

2. मानव की सुरक्षा : प्रकृति की रक्षा

मानव और प्रकृति का आरंभ से ही बहुत घनिष्ठ संबंध रहा है। शुद्ध हवा, पानी, लकड़ी, फल, जड़ी बूटी, फूल पत्ते इत्यादि वह प्रकृति से ही प्राप्त करता रहा है। उसने प्रकृति का महत्व समझा और उसके संरक्षण के लिए वह सदैव प्रयत्नशील रहा लेकिन मानव की आधुनिक सभ्यता प्रकृति को नष्ट करने में लगी हुई है। वर्तमान उपभोक्तावादी संस्कृति ने विगत दो सौ वर्षों में ही हजारों वर्षों से संरक्षित प्रकृति को विकृत कर दिया है। पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, जलसंकट, बाढ़, सूखा, भूस्खलन इत्यादि प्रकृति के साथ अनावश्यक छेड़छाड़ के ही दुष्परिणाम प्रतीत हो रहे हैं। अतः प्रकृति का संरक्षण बहुत आवश्यक है। हमें प्रकृति और विकास के मध्य संतुलन बनाकर रखना चाहिए। विकास का ऐसा मॉडल विकसित करना चाहिए जिससे प्रकृति को नुकसान न पहुँचता हो। साथ ही प्रकृति के जिन–जिन रूपों को हमने नष्ट–भ्रष्ट कर दिया है, उसे वापस पुरानी दशा में लाने का प्रयास करना चाहिए।

3. इंटरनेट का जीवन में उपयोग

इंटरनेट आधुनिक युग का बहुप्रचलित एवं महत्वपूर्ण उपकरण है। इस गतिशील माध्यम को सूचनाओं का अथाह समुद्र कहा जा सकता है। यह अनेक कम्प्यूटरों का एक ऐसा जाल है जिसकी सहायता से मनुष्य की पहुँच दुनिया के किसी भी कोने तक हो सकती है। इसके माध्यम से दुनिया भर की कोई भी

सूचना या जानकारी क्षण भर में प्राप्त की जा सकती है। यह आज की सूचना प्रौद्योगिकी का आधार स्तंभ है जिसके अनेक लाभ हैं। इससे व्यक्ति की भाग दौड़ और समय की बचत होती है। ज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में इसके क्रांतिकारी उपयोग हैं। इंटरनेट से ज्ञान-विज्ञान, खेल, कला, संगीत, पुस्तकें आदि के बारे में सभी जानकारियाँ प्राप्त हो जाती हैं, जिसका विद्यार्थी प्रत्यक्ष लाभ उठा सकते हैं। बस इसके उपयोग में थोड़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। कुछ लोग दिन-रात इंटरनेट में ही लगे रहते हैं और अपने अन्य जरूरी कार्यों की तिलांजलि दे देते हैं। इंटरनेट के माध्यम से कुछ लोग आपको ब्लैकमेल कर सकते हैं। अतः इसका प्रयोग सावधानी से करना चाहिए।

13. अपने विद्यालय में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था हेतु प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
स्वामी दयानन्द मॉडल स्कूल,
दुर्गापुरा।
दिनांक : 29 सितम्बर, 2019

विषय : विद्यालय में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था हेतु प्रार्थना।

महोदय,

इस प्रार्थना-पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान विद्यालय में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण विद्यार्थियों को होने वाली कठिनाइयों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। हमारे विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में नलों की संख्या बहुत कम है जिसके कारण नलों पर हर समय पानी पीने वाले छात्रों का जमघट लगा रहता है। इससे छात्रों को काफी असुविधा होती है तथा उनका काफी समय भी नष्ट होता है।

आशा है कि आप इस समस्या को दूर करने के लिए शीघ्र कदम उठाएँगे। इससे छात्रों को बहुत सुविधा मिलेगी।

सधन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य,
विनोद सिंह
कक्षा : दसवीं स
अनुक्रमांक- 16

अथवा

पढ़ाई का सत्र प्रारंभ हो चुका है किन्तु बाजार में पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। इस समस्या को उठाते हुए किसी दैनिक पत्र के संपादक को 80-100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

उत्तर :

सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक ज्योति,
महात्मा गांधी रोड,
नई दिल्ली।

विषय : बाजार में पाठ्यपुस्तकों की अनुपलब्धता की समस्या।

महोदय,

आपके सम्मानित दैनिक पत्र के माध्यम से मैं बाजार में पाठ्यपुस्तकों की अनुपलब्धता की दिन ब दिन बढ़ती समस्या की ओर सबका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। मान्यवर एक ओर हम छात्रों पर यह दबाव रहता है कि हमें परीक्षा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है दूसरी ओर बाजार में पाठ्यपुस्तकें काफी देर से उपलब्ध होती हैं। इतने में हमारा कीमती समय बेकार जाता है। सी.बी.एस.ई. के संबंधित अधिकारियों से हमारी यह प्रार्थना है कि इस बोर्ड से जितने भी विद्यालय संबद्ध हैं उनके छात्रों की संख्या के हिसाब से कुछ अधिक पुस्तकें वे समय पर छपवाएँ ताकि छात्र और उनके अभिभावक दोनों ही परेशान न हों। साथ ही उचित मूल्य की पुस्तकें समय पर पाकर छात्र अपना अमूल्य समय नष्ट न करें, बल्कि परीक्षा की तैयारी ठीक प्रकर से कर सकें।

धन्यवाद।
भवदीय
भूवन शर्मा
पता- ज्योतिबा फूले मार्ग।
दिनांक : 16 मार्च, 2019

14. आप इस वर्ष दशहरे के अवसर पर विद्यालय के प्रांगण में मेले का अयोजन करना चाहते हैं। इसी से संबंधित सूचना 40-50 शब्दों में विद्यालय के सूचना पट्ट के लिए लिखिए। 5

उत्तर :

राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, भोपाल

सूचना

दिनांक : 25 सितम्बर, 2019

विषय : मेले का आयोजन।

सभी छात्र छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दशहरे के अवसर पर इस वर्ष विद्यालय के प्रांगण में मेले का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय मेला दिनांक 02.10.2017 से 04.10.2017 तक प्रातः 11:00 बजे से सायं 8:00 बजे तक चलेगा। इसमें भाग लेने के लिए आप सभी आमंत्रित हैं।

हस्ताक्षर
विवेक स्वामी
सांस्कृतिक सचिव

अथवा

आपने घर बनाने के लिए एक भूखण्ड खरीदा है। खाली जगह होने के कारण लोग वहाँ कूड़ा कचरा फेंक देते हैं। लोगों को सूचित व सतर्क करने के लिए सूचना पत्र 40–50 शब्दों में लिखिए जिससे वे कूड़ा न फेंक सकें।

उत्तर :

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यह भूखण्ड राधेश्याम गुप्ता, 65 वैशाली एनक्लेव, दिल्ली के द्वारा खरीद लिया गया है। इस भूखण्ड पर कूड़ा कचरा फेंकना सख्त मना है। इस आदेश की अवमानना करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्यवाही की जाएगी।

हस्ताक्षर
विकास गुप्ता
भूखण्ड मालिक

15. विद्यालय में होने जा रही वाद–विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले दो प्रतिभागियों के बीच के वार्तालाप को लगभग 50–60 शब्दों में संवाद शैली में प्रस्तुत कीजिए। 5

उत्तर :

विनोद : विनय, तुम्हें मालूम है विद्यालय में अगले सप्ताह वाद–विवाद प्रतियोगिता है। क्या तुम भाग नहीं लोगे?

विनय : हाँ विनोद, मैं अवश्य भाग लूँगा और महँगी शिक्षा के विरोध में अपना मत रखूँगा। मुझे अच्छा लगेगा यदि तुम भी इसमें भाग लो।

विनोद : अवश्य मित्र, मैं भी प्रतियोगिता में भाग लूँगा और समयानुकूल शिक्षा के पद में अपना मत रखूँगा फिर चाहे वह महँगी ही क्यों न हो।

विनय : मुझे तुम्हारा पक्ष सुनने की उत्सुकता रहेगी।

विनोद : यह तुम्हारा बढ़प्पन है मित्र! वैसे उत्सुकता तो हम सभी को नया सुनने की रहती है। मुझे भी रहेगी। मेरी शुभकामनाएँ तुम्हारे साथ हैं।

अथवा

पिता और पुत्री के बीच मोबाइल की आवश्यकता पर हुई बातचीत को लगभग 50–60 शब्दों में संवाद के रूप में प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर :

पुत्री : पिता जी, मुझे एक मोबाइल दिलवा दीजिए।

पिता : नहीं– नहीं अभी तुम्हें मोबाइल नहीं मिलेगा।

पुत्री : पर पिताजी आप तो जानते हैं कि मोबाइल हमारे लिए कितना आवश्यक है।

पिता : हाँ मुझे पता है, पर मोबाइल के कारण तुम्हारी पढ़ाई पर कितना असर पड़ेगा, यह भी मुझे पता है। हमारे जमाने में हम लोग पढ़ाई के अतिरिक्त और कुछ नहीं सोचते थे।

पुत्री : हाँ पिता जी, मैं आपकी बात से सहमत हूँ परन्तु कभी मुसीबत के समय सहायता के लिए मैं आप तक, पुलिस तक या अन्य किसी तक अपनी बात कैसे पहुँचाऊँगी।

पिता : यह तो तुम ठीक कह रही हो बेटी। मैं तुम्हें मोबाइल दिलवा दूँगा परन्तु वायदा करो कि तुम उसका गलत इस्तेमाल नहीं करोगी।

पुत्री : मेरे अच्छे पिताजी! पक्का वायदा।

16. आपके शहर में ऊनी कपड़ों की सेल लगी है। इसके लिए 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

सेल!	सेल!	सेल!
सभी प्रकार के गरम व ऊनी कपड़ों की स्टॉक क्लियरेंस सेल		
डिस्काउंट 50% तक		
इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएँ		
फ्रैश माल, कंपनी आउटलेट्स, हजारों हजार डिजाइंस		
ओम पैराडाईज, बी–73, आजाद नगर, जयपुर		

अथवा

चाय विक्रेता हेतु सुंदर विज्ञापन 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

एक अच्छे दिन की शुरूआत। *मोहनी चाय की चुस्की के साथ।।*		
250 ग्राम चाय मात्र 50 रूपये में	**मोहनी चाय**	
एक कप चाय स्फूर्ती दे जाये।		

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online